सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 7 ● अंक: 286 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 23 नवम्बर, 2021

मूल्य ₹ 3/-

गलतियां हमेशा क्षमा की जा सकती हैं , यदि आपके पास उन्हें स्वीकारने का साहस हो।

-ब्रूस ली

नड्डा ने कानपुर में रखीं 2022... 8 | सोशल मीडिया पर नेताओं के... 3 | एमएसपी पर कानून अर्थव्यवस्था... 7

खुर्शीद के बाद मनीष तिवारी की बुक से निकला 'बम'

पाक पर कार्रवाई ना करना कमजोरी की निशानी

मनमोहन सरकार पर वार, भाजपा ने घेरा

» तिवारी पहले भी कांग्रेस नेतृत्व पर उठाते रहे सवाल

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस इन दिनों किताबों को लेकर लगातार घिरती जा रही है। पहले सलमान खुर्शीद की किताब में हिंदुत्व को लेकर कही बात पर बवाल मचा और अब मनीष तिवारी की किताब में मुंबई हमले को लेकर छोड़े गए बम से हंगामा शुरू हो गया है। मनीष तिवारी ने अपनी किताब में मनमोहन सरकार पर सवाल उठाते हुए लिखा कि 26/11 के समय यूपीए सरकार को जो कदम उठाने चाहिए थे, वो नहीं उठाए गए। उन्होंने ये भी लिखा कि उस वक्त तेजी से कार्रवाई करने की जरूरत थी। इसके बाद बीजेपी ने भी कांग्रेस सरकार को घेरना शुरू कर दिया है। मनीष तिवारी ने अपनी किताब में किसी देश (पाकिस्तान) को अगर निर्दोष लोगों को कत्लेआम करने में कोई अफसोस नहीं है तो ऐसे में संयम ताकत की पहचान नहीं, बल्कि कमजोरी की निशानी है। 26/11 एक ऐसा मौका था जब शब्दों से ज्यादा जवाबी कार्रवाई दिखनी चाहिए थी। उन्होंने मुंबई हमले की तुलना अमेरिका के 9/11 से करते हुए कहा कि भारत को उस समय तेजी से जवाबी कार्रवाई करनी चाहिए थी। मनीष तिवारी की किताब सामने आने के बाद एके एंटनी कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मिलने पहुंचे हैं। एके एंटनी कांग्रेस की अनुशासन कमेटी के अध्यक्ष हैं। माना जा रहा है कि कांग्रेस अब तिवारी पर कोई कार्रवाई कर सकती है।

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

खुर्शीद की किताब में हिंदुत्व आईएस और बोको हरम जैसा संगठन

पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने हाल ही में अपनी किताब सनराइज ओवर अयोध्या लॉन्च की है। इस किताब में सलमान खुर्शीद ने हिंदुत्व की आईएसआईएस और बोको हरम से तुलना की है। खुर्शीद की किताब में एक चैप्टर द सैफ्रन स्काई है, जिसमें लिखा है कि मौजूदा दौर में हिंदुत्व का राजनीतिक रूप, साधु-संतों के सनातन और प्राचीन हिंदू धर्म को किनारे लगा रहा है। यह हिंदुत्व का राजनीतिक रूप आईएस और बोको हरम जैसे जिहादी संगठन जैसा ही है। इस किताब से भी कांग्रेस निशाने पर आ गई थी।

"मनीष तिवारी ने 26/11 के बाद यूपीए सरकार की कमजोरी की ठीक ही आलोचना की है। उन्होंने लिखा कि एयर चीफ मार्शल फली मेजर ने भी कहा था कि इस हमले के बाद वायुसेना कार्रवाई करना चाहती थी, लेकिन यूपीए सरकार ने ऐसा नहीं करने दिया।

शहजाद पूनावाला, प्रवक्ता भाजपा

किताब में पिछले 20 सालों का जिक्र

किताब को लेकर मनीष तिवारी ने कहा यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि मेरी चौथी किताब जल्द ही बाजार में आएगी। उन्होंने कहा कि इस किताब में पिछले 20 वर्षों में भारत ने जिन प्रमुख राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों का सामना किया है, उसका वर्णन किया गया है। ऐसे में किताब जरूर पढ़े।

बुकलेट के सहारे यूपी चुनाव में उतरेगी बसपा

» सुरक्षित सीटों पर मायावती की पैनी नजर

» बुकलेट के जरिए जनता में प्रचार-प्रसार करेंगी बसपा प्रमुख

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने आज राजधानी लखनऊ में पार्टी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटें। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मायावती ने कहा कि बसपा 2007 के चुनाव की तरह 2022 में भी परिणाम देगी। उन्होंने कहा कि हमने 2007 से 2012 के दौरान सत्ता में रहते हुए जो विकास के कार्य किए। उनका प्रचार करके ही जनता से समर्थन मांगेंगे। मायावती ने इसके लिए बुकलेट चार से छह पन्नों की दिखाई, कहा- बुकलेट के जरिए जनता में प्रचार-प्रसार किया जाएगा। ताकि बसपा के कार्यों को जनता जान सके और 2022 में पार्टी को पूर्ण समर्थन मिल सके।

वहीं मायावती ने विधानसभा चुनाव 2022 के मद्देनजर सभी सुरक्षित सीटों पर अपनी निगाह लगा दी है। उन्होंने सभी सुरक्षित सीटों के बसपा विधानसभा अध्यक्षों को बैठक के लिए बुलाया है। बैठक में मायावती ने विधानसभा चुनाव के लिए जीत का मंत्र दिया। साथ ही प्रदेश की सभी सुरक्षित विधानसभा सीटों के अध्यक्षों से चुनावी रणनीति पर चर्चा की। बता दें कि उत्तर प्रदेश में 85 सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं। दो सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं।

भाजपा नेता के भड़काऊ बयानों पर रोक लगे

बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने केंद्र के कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलनरत किसानों की सभी मांगों के समाधान पर जोर देते हुए भारतीय जनता पार्टी के नेताओं के कथित भड़काऊ बयानों पर रोक लगाने की मांग की है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी किसानों की अन्य जायज मांगों का भी सामयिक समाधान करें। ताकि वे संतुष्ट होकर अपने-अपने घरों को लौटकर अपने कार्यों में फिर से पूरी तरह जुट सकें। किसानों से शांति बनाए रखने की अपील भी की।

उत्तर प्रदेश प्रगति के पथ पर अग्रसर : केशव मौर्य

» प्रदेश का हो रहा चहुंमुखी और बहुमुखी विकास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पर निशाना साधा है। बहराइच जिले के श्रीदेवी गुल्लावीर मंदिर परिसर में जनपद की विभिन्न विधानसभाओं के चौमुखी विकास के लिए कुल 128 परियोजनाओं (लागत 193 करोड़) का लोकार्पण और शिलान्यास करने के उपरांत आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में चहुंमुखी और बहुमुखी विकास हो रहा है। उत्तर प्रदेश प्रगति के पथ पर अग्रसर है। विकास के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए जा रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि निर्माण कार्यों के साथ-साथ सोशल सेक्टर की योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति को उपलब्ध कराया जा रहा है । बिना किसी भेदभाव के सबका साथ- सबका विकास- सबका प्रयास और सबका विश्वास की भावना के साथ कार्य किए जा रहे हैं। विपक्ष लगातार जनता को गुमराह कर रहा है। उपमुख्यमंत्री मौर्य ने कहा कि विभाजनकारी ताकतों को सत्ता का सुख नहीं मिलेगा। उन्होंने सरकार की नीतियों कार्यक्रमों और उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की। जनपद बहराइच में उन्होंने राष्ट्र नायक वीरवर महाराजा सुहेलदेव जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। साथ ही जनप्रतिनिधियों के साथ पौधारोपण किया।

नड्डा ने किया गीता प्रेस का भ्रमण

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने अपने गोरखपुर दौरे के दौरान गीता प्रेस का भ्रमण भी किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ गोरखनाथ मंदिर से गीता प्रेस पहुंचे नड्डा का ट्रस्टी वैद्यनाथ अग्रवाल और देवी दयाल अग्रवाल ने अंगवस्त्र देकर स्वागत किया। उत्पाद प्रबंधक डा. लालमणि तिवारी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को गीता प्रेस में लगी छपाई की आधुनिकतम मशीनें दिखाई और उनसे जुड़ी जानकारी दी। डा. तिवारी ने उन्हें हाल ही में जापान से आई कोमोरी और कुलेबरी मशीन के साथ इटली की सिलाई मशीन भी दिखाई, जिसे देख वह रोमांचित नजर आए। इस अवसर पर नड्डा ने कहा कि सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए गीता प्रेस जो कार्य कर रहा है, वह सराहनीय है। इसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए, कम है।

अपनी दुकान चला रहे हैं ओमप्रकाश राजभर

बूथ अध्यक्ष सम्मेलन में आए बूथ अध्यक्षों, जिलाध्यक्षों, जिला प्रभारियों, मंडल अध्यक्षों और मंडल प्रभारियों को संबोधित करते हुए राज्यसभा सदस्य सकलदीप राजभर ने कार्यकर्ताओं को ओम प्रकाश राजभर से सावधान रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि ओमप्रकाश राजभर समाज के नाम पर अपनी दुकान चला रहे हैं जबकि समाज के लोग उनके साथ नहीं है। उन्होंने सम्मेलन के माध्यम से राजभर समाज से अपील की कि वह ओमप्रकाश के बहकावे में हरगिज न आएं। भाजपा से अलग होने के बाद उनकी स्थित बद से बद्तर हो गई है।

हर रोज खटखटाइए कुंडी तब जीतेंगे बूथ : स्वतंत्र देव सिंह

गोरखपुर में बूथ अध्यक्षों के सम्मेलन में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह ने अपने संबोधन में बताया कि पिछले चुनाव में 14 वोट से हारने वाले एक बूथ अध्यक्ष से जब यह सवाल किया गया कि इस बार वह कैसे जीतेंगे तो उसने बताया कि कुछ घर चिन्हित किया है, जहां हर रोज कुंडी खटखटा रहे हैं। इससे वह वोट भी पक्के हो रहे हैं, जो पहले नहीं थे। प्रदेश अध्यक्ष ने सभी बूथ अध्यक्षों से

ऐसा करने की अपील की। कहा कि सभी बूथ अध्यक्ष घरों को चिन्हित करें और हर रोज कुंडी खटखटाएं। बूथ अध्यक्षों की प्रशंसा करते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने उनकी चुनावी दृष्टि से हौसलाफजाई की। कहा कि कोरोना काल में उन्होंने घर-घर दवा पहुंचाई, लंच पैकेट पहुंचाया। सरकार की योजनाओं को भी घर-घर पहुंचाने का कार्य किया। उन्होंने अपनी जान की परवाह न करते हुए लोगों की सेवा की। कोरोना का टीका लगवाने के लिए भी लोगों को प्रेरित किया।

त्रिवेंद्र सिंह और हरीश रावत की मुलाकात से उत्तराखंड में सियासी उबाल

» गलियारों में चर्चा त्रिवेंद्र सिंह जा रहे कांग्रेस में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड के दो पूर्व मुख्यमंत्रियों की मुलाकात इन दिनों सियासी गलियारों में कई तरह की चर्चाओं का विषय बनी हुई है। इसी साल मार्च में मुख्यमंत्री पद से हटाए गए भाजपा नेता त्रिवेंद्र सिंह रावत ने हाल में पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता हरीश रावत के साथ मुलाकात की, तो दोनों ही पार्टियों में इस मुलाकात को लेकर सुगबुगाहटें शुरू हुईं। सिर्फ मुलाकात ही नहीं हुई, बल्कि दोनों नेताओं ने इस भेंट के बारे में सोशल मीडिया पर भी जानकारी और तस्वीरें साझा कीं। दोनों ने सोशल मीडिया पर एक दूसरे के हाल चाल जानने को ही इस मुलाकात का मकसद बताया।

क्या यह सिर्फ दबाव की तरकीब है?

उत्तराखंड में चुनावी माहौल के बीच भाजपा ने त्रिवेंद्र सिंह को एक तरह से दरकिनार ही किया है और अपने चुनाव प्रचार अभियान में भी उन्हें खास तवज्जो नहीं दी है। जानकारों की मानें तो हरीश रावत के साथ मिलना, उनके साथ की तस्वीर खुलेआम शेयर करना एक तरह से भाजपा के नेताओं को संकेत है। त्रिवेंद्र सिंह भाजपा को बताना चाह रहे हैं कि उन्हें कमजोर न समझा जाए और यह भी उनके पास विकल्प खुले हुए हैं।

सियासी गलियारों में चर्चा है कि त्रिवेंद्र सिंह रावत कांग्रेस में जा रहे हैं। हरीश रावत ने मुलाकात की तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा, मिलकर अच्छा लगा। जबकि त्रिवेंद्र सिंह ने अपने फेसबुक पोस्ट में लिखा, 'लंबे अंतराल के बाद आदरणीय हरीश रावत से चलते-चलते भेंट हुई। कोरोना के पश्चात उनके स्वास्थ्य में काफी सुधार देखा। स्वास्थ्य के बारे में पूछने पर उन्होंने अपने अंदाज में कहा, मैं स्वस्थ हूं। इधर इस मुलाकात को लेकर राजनीति के जानकार मान रहे हैं चूंकि सीएम पद से हटाए जाने को लेकर त्रिवेंद्र सिंह भाजपा से संतुष्ट नहीं हैं इसलिए इस तरह की पोस्ट खुलकर करना अपनी ही पार्टी को एक तरह से अहम इशारा भी हो सकता है। पिछले दिनों हरक सिंह रावत और अन्य विधायकों के कांग्रेस में जाने की चर्चा काफी रह चुकी है इसलिए त्रिवेंद्र सिंह के कांग्रेस जॉइन करने को लेकर चर्चा स्वाभाविक तौर पर उभरकर आई है।

यमुना एक्सप्रेस-वे का बदलेगा नाम, अटल बिहारी है सुझाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी की योगी सरकार जिलों के नाम बदलने के बाद अब एक्सप्रेस का नाम बदलने जा रही है। चर्चा है कि अब यमुना एक्सप्रेस वे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर रखा जा सकता है। इसी घोषणा जेवर एयरपोर्ट के भूमि पूजन कार्यक्रम में पीएम मोदी कर सकते हैं।

वहीं पीएम मोदी के कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने आज सीएम योगी जेवर जा रहे हैं। सीएम योगी कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। दरअसल, 25 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जेवर एयरपोर्ट का शिलान्यास करेंगे। शिलान्यास कार्यक्रम के साथ एयरपोर्ट साइट पर जनसभा होगी। एयरपोर्ट साइट पर जनसभा को लेकर तैयारी शुरू हो गई है। जेवर एयरपोर्ट के शिलान्यास के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगमन को लेकर पुलिस ने भी सुरक्षा एजेंसियों के साथ तैयारी शुरू कर दी है।

पत्रकारों को भेजी नोटिस वापस ले एसटीएफ : संजय सिंह

» आप नेता बोले- लाखों लोगों ने फ्री बिजली गारंटी अभियान का किया समर्थन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आम आदमी पार्टी का फ्री बिजली गारंटी अभियान सफलतापूर्वक पूर्ण हो गया है और लाखों लोगों ने हमारी पहली गारंटी के प्रति भरोसा इसका समर्थन किया। अभियान की जानकारी देते हुए संजय सिंह ने पार्टी की बरेली विधानसभा प्रभारी कृष्णा भारद्वाज पर हुए हमले के साथ एसटीएफ द्वारा पत्रकारों को नोटिस भेजने का मामला भी उठाया।

भीषण ठंड में ठिठुरकर स्कूल जा रहे नौनिहालों की खबरों के हवाले से योगी

सरकार को घेरा और कृषि कानूनों पर मोदी सरकार की मंशा पर आशंका जताते हुए एमएसपी गारंटी कानून की मांग की। सांसद संजय सिंह ने कहा कि पार्टी की ओर से करीब डेढ़ माह पहले फ्री बिजली अभियान शुरू किया गया था। इसके लिए हमने 170 विधानसभा प्रभारियों को जिम्मेदारी दी थी जिन्होंने घर घर जाकर फ्री बिजली गारंटी फॉर्म लोगों से भरवाए। संजय सिंह ने एसटीएफ द्वारा पत्रकार हेमंत तिवारी, संजय शर्मा और सत्य प्रकाश भारती को चेतावनी नोटिस भेजे जाने पर सवाल खड़े किए। संजय सिंह ने कहा कि एसटीएफ ने इनके खिलाफ आपराधिक साजिश रचने का आरोप लगाया है, क्योंकि लोगों ने एसटीएफ की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए थे। पत्रकार अगर एसटीएफ की कार्यशैली पर कोई सवाल उठाते हैं तो उनको नोटिस के साथ उन्हें डराने, धमकाने और उन पर दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है। देश में बोलने की आजादी है। लोगों को किसी सरकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाने का हक है।

यूपी में सपा बनाएगी सरकार : कुरैशी

» पूर्व राज्यपाल अजीज कुरैशी बोले- आजम खां की जान ले सकती है योगी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुरादाबाद। प्रदेश के पूर्व राज्यपाल अजीज कुरैशी ने कहा कि जेल में बंद सांसद आजम खां की जान को खतरा है। योगी सरकार उनकी जान भी ले सकती है। उनकी तबीयत खराब है। सही से इलाज भी नहीं मिल रहा है। ताजा आबोहवा भी नहीं मिल रही है। ऐसे में तो किसी की भी जान जा सकती है। एक बार पहले ऐसी बातें उड़ चुकी हैं।

कुरैशी ने कहा कि इस बार उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी सरकार बनाएगी। इस चुनाव में सभी धर्मनिर्पेक्ष दलों को एक प्लेटफार्म पर आने की जरूरत है, ताकि भाजपा को बुरी तरह से हराया जा सके। पूर्व राज्यपाल कल शाम रामपुर पहुंचे। सांसद आजम खां के घर पहुंचकर उनकी पत्नी शहर विधायक डा.तजीन फात्मा का

हालचाल जाना। इसके बाद कांग्रेस नेता मुतीउर्रहमान खां बबलू के आवास पर पहुंचकर मीडिया से बात की। कहा कि भाजपा ने देश को बर्बाद कर दिया है। डीजल और पेट्रोल की बढ़ती महंगाई से आम आदमी परेशान है। नोटबंदी, जीएसटी और लाकडाउन ने कारोबार चौपट कर दिया है। जनता भाजपा सरकार से ऊब चुकी है। प्रदेश में अब सपा की सरकार बनने जा रही है। कांग्रेस नेता होते हुए आप सपा की सरकार बनाने की बात कह रहे हैं, इसके जवाब में बोले, हम चाहते हैं सभी धर्मनिर्पेक्ष दल एक प्लेटफार्म पर आएं। प्रियंका गांधी बहुत मेहनत कर रही हैं। कांग्रेस मजबूत हुई है, लेकिन चुनाव नजदीक है। इतने कम वक्त में वोट कांग्रेस में कंवर्ट नहीं हो पाएगा। पूर्व राज्यपाल ने कहा सरकार के खिलाफ बोलना हमारा अधिकार है। जनता ही सरकार को ही हटाती है और हम चाहते हैं कि इस सरकार को उखाड़ फेंके।

भाजपा के एजेंट है ओवैसी

आल इंडिया मजलिस इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख असदउद्दीन ओवैसी को लेकर बोले, वह कौम के गद्दार हैं। भाजपा के एजेंट के तौर पर काम कर रहे हैं। बिहार और असम में उन्होंने भाजपा सरकार बनवाने में पूरी मदद की, लेकिन बंगाल की जनता ने उन्हें नकार दिया। उत्तर प्रदेश की जनता भी उनके बहकावे में आने वाली नहीं है। कुछ दिन पहले भी वह रामपुर आए थे, तब उन्होंने भाजपा नेताओं के खिलाफ जमकर बयानबाजी की थी। इस पर उनके खिलाफ मुकदमा भी दर्ज हुआ था। उस मुकदमे में हाईकोर्ट से स्टे मिल गया है।

सोशल मीडिया पर नेताओं के जलवों पर भी रहेगी चुनाव आयोग की नजर

» विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ ही नेताओं के बीच सोशल मीडिया पर खुद को साबित करने की होड़

» निर्वाचन कार्यालय की ओर से सोशल मीडिया सेल का गठन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। फेसबुक, ट्वीटर, वॉट्सएप, यूटयूब, इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया माध्यमों पर नेताओं के जलवे पर इस बार चुनाव आयोग की निगरानी में रहेंगे। आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सोशल मीडिया की महत्ता समझते हुए निर्वाचन कार्यालय की ओर से सोशल मीडिया सेल का गठन कर दिया गया है।

दरअसल, विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ ही नेताओं के बीच सोशल मीडिया पर खुद को साबित करने की होड़ सी मच गई है। इस होड़ पर नजर रखने और युवाओं के बीच सोशल मीडिया के माध्यम से मतदान की अलख जगाने के लिए निर्वाचन कार्यालय की ओर से सोशल मीडिया सेल का गठन किया गया है। इस सेल के दो अहम काम होंगे। पहला काम तो प्रत्याशियों के चुनावी खर्च पर नजर रखना होगा। सोशल मीडिया में प्रचार के लिए भी बाकायदा अनुमति लेनी होगी, जिसके लिए एक विशेष कमेटी का गठन किया गया है। अनुमति मिलने के बाद हर सेकेंड का खर्च चुनाव आयोग के सामने रखना होगा। इसके साथ ही सोशल मीडिया पर चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करने पर चुनाव आयोग की ओर से कार्रवाई अमल में लाई जा सकती है। बता दें कि विधानसभा चुनावों की तैयारियों में पार्टियां जोर शोर से जुट गई हैं। इसके लिए सोशल मीडिया पर भी प्रचार प्रसार तेजी से किया जा रहा है। अपनी अपनी पार्टियों और नेताओं के पक्ष में विभिन्न तरह की सामग्री शेयर की जा रही है। इन्हीं में से कुछ असामाजिक तत्व भी हैं जो धार्मिक व अन्य पोस्ट करने में पीछे नहीं रहते हैं। इसी को देखते हुए पुलिस ने भी कमर कस ली है। डीजीपी अशोक कुमार ने सभी जिलों को इस बाबत सख्ती से पेश आने को कहा है। जिलों की सोशल मीडिया सेल को एक्टिव मोड पर रखने के निर्देश दिए हैं। इसी के साथ मुख्यालय में तैनात सोशल मीडिया निगरानी टीम को भी जिलों से इनपुट लेने के निर्देश दिए हैं। सभी तरह की सामग्री पर नजर रखने को कहा गया है। साथ ही धार्मिक टिप्पणियों और समाज में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के उद्देश्य से किए जाने वाले पोस्ट पर बारीकी से नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए आईटी एक्ट व आईपीसी की धाराओं में मुकदमे दर्ज किए जाएंगे।

वॉलंटियर की फौज तैयार

पुलिस ने पिछले साल सोशल मीडिया की निगरानी में कुछ स्वयंसेवकों को भी अपने साथ जोड़ा था। यह सभी आईटी के क्षेत्र में दक्ष या पूर्व और वर्तमान छात्र हैं। प्रदेश में ऐसे 200 से ज्यादा लोग हैं जो इस वक्त पुलिस की मदद सोशल मीडिया की निगरानी में कर रहे हैं। डीजीपी ने इन स्वयंसेवियों की भी मदद लेने के निर्देश दिए हैं, ताकि हर प्रकार की पोस्ट जो भड़काऊ है या समाज को किसी प्रकार का नुकसान पहुंचा सकती है पर नजर रखी जा सके।

> यह सेल चुनाव खर्च एवं चुनाव आचार संहिता के मद्देनजर सोशल मीडिया की मॉनिटरिंग करेगी। साथ ही सोशल मीडिया का प्रयोग करते हुए चुनाव प्रबंधन व मतदाता जागरूकता में अपना योगदान देगी।
>
> नितिन उपाध्याय, नोडल ऑफिसर, सोशल मीडिया सेल उत्तराखंड

चुनाव प्रबंधन में सोशल मीडिया भी शामिल

युवाओं को ज्यादा से ज्यादा मतदाता बनाने के लिए अभियान चला रहा निर्वाचन कार्यालय उन्हें रिझाने के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से चुनाव प्रबंधन और जागरुकता करेगा। सभी सोशल मीडिया माध्यमों पर लगातार युवाओं को जोड़ने का काम किया जाएगा। मकसद यह है कि मतदान प्रतिशत में बढ़ोतरी हो। लिहाजा, यह सेल इस जिम्मेदारी को भी निभाएगी।

तीन चरणों में काम करेगी सेल

आगामी विधानसभा चुनाव के लिए निर्वाचन विभाग की सोशल मीडिया सेल तीन चरणों में काम करेगी। पहला चरण प्री पोल गतिविधियों का होगा, जिसमें चुनाव से पहले ज्यादा से ज्यादा लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया जाएगा। इस दौरान राजनीतिक विज्ञापन और पेड न्यूज पर भी खास नजर रखी जाएगी। दूसरे चरण में मतदान के दौरान की मॉनिटरिंग व चुनाव प्रबंधन होगा। तीसरे चरण में मतगणना के दौरान की गतिविधियों को इस सेल के माध्यम से युवाओं तक पहुंचाया जाएगा।

पुलिस भी रहेगी सक्रिय

सोशल मीडिया की हर पोस्ट पर पुलिस की नजर रहेगी। इसके लिए पुलिस मुख्यालय ने जिला पुलिस के अलावा अन्य विंग को भी सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। सोशल मीडिया की निगरानी के लिए स्वयंसेवकों की मदद भी ली जा रही है। विधानसभा चुनावों के मद्देनजर किसी भी भड़काऊ पोस्ट पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

युवा लाएंगे परिवर्तन की क्रांति : मुलायम सिंह

» जन्मदिन पर सपा संरक्षक ने कार्यकर्ताओं में भरा जोश

» परिवर्तन की राजनीति को कामयाब बनाने की अपील की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के तीन बार मुख्यमंत्री और देश के रक्षामंत्री रहे समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव का 83वां जन्मदिन धूमधाम से मन चुका है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की मौजूदगी में लखनऊ स्थित सपा प्रदेश कार्यालय में मुलायम सिंह का जन्मदिन मनाया गया। इस मौके पर मुलायम ने सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को जन्मदिन मनाने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि नौजवानों में जोश और उत्साह दिखाई दे रहा है।

यह जोश परिवर्तन की क्रांति लाएगा। समाजवादी पार्टी परिवर्तन की राजनीति कर रही है और युवा ही परिवर्तन लाएंगे। सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोग परिवर्तन की राजनीति को कामयाब बनाएं। हम जनता के विश्वास पर खरा उतरेंगे। उन्होंने कहा कि मैं चाहता हूं कि इसी तरह से सभी गरीबों का जन्मदिन मनाया जाए। आप लोग इतनी बड़ी संख्या में जन्मदिन मनाने आए हैं, आप लोगों का स्वागत है। बहुत-बहुत धन्यवाद और सबको बधाई। जन्मदिन के मौके पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने पिता व रक्षा मंत्री मुलायम सिंह यादव का हाथ पकड़ कर केक कटवाया। सपा संरक्षक के जन्मदिन पर 83 किलो लड्डू भी बांटे गए। इससे पहले मुलायम सिंह यादव के जन्मदिन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश की राजनीति में यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं। देश की राजनीति में उन्होंने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मैं उनके स्वस्थ एवं सुदीर्घ जीवन की कामना करता हूं।

सैफई में मुलायम के जन्मदिन पर दंगल का आयोजन

सपा के संरक्षक मुलायम सिंह यादव के जन्मदिन पर प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया द्वारा सैफई में दंगल का आयोजन किया गया। इस आयोजन में प्रसपा अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव व राष्ट्रीय महासचिव आदित्य यादव पहुंचे। उन्होंने पहलवानों के साथ केक काटा।

1992 में की थी समाजवादी पार्टी की स्थापना

इटावा जिले के सैफई गांव में 22 नवंबर, 1939 को जन्मे मुलायम सिंह यादव ने शुरुआती जीवन एक शिक्षक के रूप में शुरू किया और 1967 में पहली बार विधानसभा के सदस्य चुने गए। वह वर्ष 1977 में रामनरेश यादव के नेतृत्व वाली जनता पार्टी की उत्तर प्रदेश सरकार में पहली बार मंत्री बने। इसके बाद उन्होंने 1992 में समाजवादी पार्टी की स्थापना की थी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

कानून वापसी के बाद की चुनौतियां

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा तीनों विवादास्पद कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा के साथ ही विवादों का एक अध्याय समाप्त हो गया है। लेकिन अब इस पर भी चिंतन करने की जरूरत बढ़ गई है कि देश में खेती किसानी की हालत में सुधार हो और उसके लिए संस्थागत परिवर्तनों के लिए वातावरण बनाया जाए। सरकार ने तीन कृषि कानूनों के माध्यम से कृषि वस्तुओं की मार्केटिंग व्यवस्था में व्यापक बदलाव किए थे। आवश्यक वस्तु अधिनियम में बदलाव करते हुए कृषि वस्तुओं के भंडारण पर लगी सीमाओं को हटा लिया गया था। कृषि वस्तुओं का एक सीमा से ज्यादा भंडारण पहले गैर कानूनी था, लेकिन नए कानून में ऐसा नहीं रहा था। इसके पीछे सरकार का तर्क था कि भंडारण पर लगी सीमाओं को हटाने के बाद अब व्यापारी और कंपनियां कृषि वस्तुओं का ज्यादा भंडारण कर सकेंगी। पूर्व में आवश्यक वस्तु अधिनियम के बनाने और भंडारण पर अंकुश लगाने के पीछे कारण यह था कि देश में कृषि वस्तुओं की भारी कमी हुआ करती थी, जिससे व्यापारी उनकी जमाखोरी करके कीमतें बढ़ा देते थे। कुछ किसान संगठनों का कहना था कि मंडी से बाहर खरीद की व्यवस्था से किसानों का शोषण हो सकता है, इसलिए सरकार को कृषि मंडियों से बाहर खरीद पर भी न्यूनतम समर्थन मूल्य सुनिश्चित करना चाहिए। चूंकि अब यह कानून वापस हो जाएगा, इसलिए फिर से मंडी में ही खरीद की व्यवस्था लागू हो जाएगी, लेकिन यह सवाल बना रहेगा कि किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य कैसे सुनिश्चित हो।

हालांकि सरकार ने किसानों, कृषि वैज्ञानिकों और अर्थशास्त्रियों समेत समाज के प्रतिनिधियों की एक समिति के गठन का फैसला किया है, ताकि इस मसले का समाधान निकल सके। किसान(सशक्तीकरण एवं संरक्षण) कीमत मूल्य आश्वासन और कृषि सेवाओं का समझौता कानून, संविदा खेती हेतु कानूनी प्रावधानों से संबंधित था। इसके माध्यम से यह व्यवस्था की गई थी कि निजी व्यक्तियों एवं कंपनियों द्वारा किसानों से समझौता करते हुए संविदा खेती की जा सके। इसमें विवाद निपटारे को लेकर किए गए प्रावधानों के बारे में कुछ किसान संगठनों में रोष था। किसान संगठनों का कहना था कि संविदा खेती में विवाद निपटारे हेतु न्यायालय में जाने की व्यवस्था होनी चाहिए, जबकि कानून में जिलाधिकारी को यह अधिकार दिया गया था। समझना होगा कि पिछले लगभग तीन दशकों से किसानों की हालत बद से बदतर होती जा रही है। इन सब परिस्थितियों में कुछ ऐसे संस्थागत सुधार लाने होंगे, जिससे वर्तमान परिस्थितियों का पूरा लाभ उठाया जा सके। देश में भंडार गृह और कोल्ड-स्टोरेज इत्यादि की भारी कमी है। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में इस दिशा में अच्छी प्रगति हुई है, लेकिन इसे और बेहतर बनाए जाने की जरूरत है।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

समतामूलक समाज के लक्ष्य अभी दूर

सुरेश सेठ

बात केवल लोगों को चौंकाने अथवा अपने रुझान के राजनीतिक नेतृत्व को लुभाने के लिये दिये गये उस बयान की नहीं, जिसने आजकल वितण्डावाद खड़ा कर रखा है। स्वाभाविक है कि अगर कोई देश के राष्ट्रीय सम्मान से अलंकृत होते ही यह बयान दाग दे कि इस देश को सन सैंतालिस में मिली आजादी देशवासियों के संघर्ष और बलिदान का परिणाम नहीं, बल्कि महात्मा गांधी को दी गयी भीख थी और भारत को असल आजादी तो सन 2014 में मिली, (स्पष्ट है कि तब वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्ता संभाली थी) तो चाटुकारिता से लिप्त पद्मश्री प्राप्त कंगना रनौत के इस बयान से उसका पूर्वाग्रही अधूरा ज्ञान तो झलकता ही है। देशवासियों की बहुसंख्या को यह बयान हजम नहीं हुआ। कंगना के विरुद्ध राष्ट्रद्रोह का मुकदमा दायर होने से लेकर बयान वापस लेने की मांग हो रही है।

लेकिन इसको स्पष्ट करने के लिए इसके बाद विवादित व्यक्तित्व ने जो बात रखी, वह भी असंतोषजनक थी कि सन 1857 के स्वाधीनता संग्राम को तो हम मानते हैं और अमर बलिदानियों को भी। सरदार भगत सिंह और नेताजी सुभाष चंद्र बोस का बलिदान भी कम नहीं था, लेकिन गांधी जी ने उन्हें भी यथोचित सम्मान नहीं दिया। ऐसा बयान भी तथ्यों की अधूरी जानकारी है। सरदार भगत सिंह की फांसी या बलिदान ने जनमानस ही नहीं, गांधी और नेहरू को भी हिला दिया था, इतिहास साक्षी है। नेताजी ने जब रंगून से आजाद हिन्द रेडियो का प्रसारण शुरू किया था तो उसके पहले प्रसारण में नेताजी ने गांधीजी को बापू कहकर संबोधित किया और प्रणाम किया था। इसके साथ ही पूरा देश उन्हें बापू गांधी और महात्मा गांधी दोनों ही नामों से परिचित हुआ था। आज आपको अकादमिक, सामाजिक या राजनीतिक क्षेत्र में ऐसे बहुत से विलक्षण लोग दिखायी देते हैं। पद्मश्री प्राप्त इस अभिनेत्री को तो देश के संतुलित और सुधी जनों ने आड़े हाथों ले लिया है, लेकिन ऐसे अधकचरे बयानों की सुध भी लेनी चाहिए।

नेताओं को धांसू बयान बहुत सुहाते हैं। नया समाज रचने की घोषणा हर सत्तासीन नेता करता है। कभी 'अच्छे दिन' लाने और हर खाते में पंद्रह लाख देने की घोषणा भी इसी मिजाज का नतीजा थी। मोदी की पिछली पारी में जब नोटबंदी की घोषणा हुई तो वादा किया गया था कि यह देश से भ्रष्टाचार का उन्मूलन कर देगी और काले धन का सफाया। लेकिन बाद में उजागर हुआ कि यह हर पक्ष का ध्यान रखे बिना और आगा-पीछा विचारे कर दी गयी। नतीजा, जनता खातों की सहायता से

धनपतियों ने न जाने कितना काला धन सफेद कर लिया। विश्व का नया भ्रष्टाचार सूचकांक आया तो पता चला कि देश भ्रष्टाचार उन्मूलन में? उसी प्रकार असफल रहा और भ्रष्टाचारी देशों की पायदान में हम वहीं के वहीं खड़े हैं। अभी ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल का एक शोध सामने आया है कि भारत में भ्रष्ट व्यवस्था का यह आलम है कि यहां हर काम संपर्क से होता है या रिश्वत से। एक ऐसा देश जो अपने सदाचार और नैतिक आदर्शों की वकालत करते थकता न हो, वहां आजादी का अमृत महोत्सव अपना पचहत्तरवां वर्ष मना रहा है, लेकिन नैतिक मूल्यों का यह ह्रास केवल एक ही बात बता रहा है कि प्रयास की कमी रही, क्योंकि न जानकारी पूरी थी, न लक्ष्य के प्रति सक्रिय प्रतिबद्धता। अधूरे ज्ञान और उनसे प्राप्त कर लेने की जल्दबाजी हमें योजनाबद्ध आर्थिक विकास के मूल लक्ष्य को प्राप्त करने में भी दिखायी देती है। भारत की आजादी के इस अमृत महोत्सव में हम दुनिया के इस सबसे बड़े लोकतंत्र में 'जन गण मन' का गायन अवश्य करें लेकिन यह भी स्मरण रखें कि हमने अपने देश में लोकतंत्र की स्थापना करते हुए यहां प्रजातान्त्रिक समाजवाद पैदा करने की घोषणा की थी और इसका रास्ता हमें योजनाबद्ध आर्थिक विकास की राह, योजना आयोग के निर्देश में पंचवर्षीय योजनाओं की सहायता से अपनाना था।

पचहत्तर वर्ष की आजादी और कोरोना की दो लहरों के विकट काल को झेलने के बाद जब हम अपनी सफलताओं असफलताओं का आकलन करते हैं तो पाते हैं कि यहां प्रजातान्त्रिक व्यवस्था की दोष रहित स्थापना नहीं हो सकी, उसमें तो वंशवाद के कीड़े कुलबुलाने लगे। जहां तक समाजवादी व्यवस्था की स्थापना का प्रश्न है, कोरोना की विकटता के दो साल और बारह पंचवर्षीय योजनाओं के विकास मार्ग पर चलने के बाद भी हम पाते हैं कि समाजवादी व्यवस्था की स्थापना के नाम पर यहां अमीर और अधिक अमीर, गरीब और अधिक गरीब हो गये। दस प्रतिशत धनाढ्य घराने देश की नब्बे प्रतिशत धन संपदा पर काबिज हैं और नब्बे प्रतिशत जनता दस प्रतिशत पर गुजर बसर कर रही है। इस विकास यात्रा की रूपरेखा तय करने वाला योजना आयोग सफेद हाथी घोषित कर दिया गया। उसकी जगह नीति आयोग ने ली जो अध्ययन और शोध के लिए अभी अपने कील कांटे दुरुस्त कर रहा है।

पहले कदम की सफलता से हासिल मंजिल

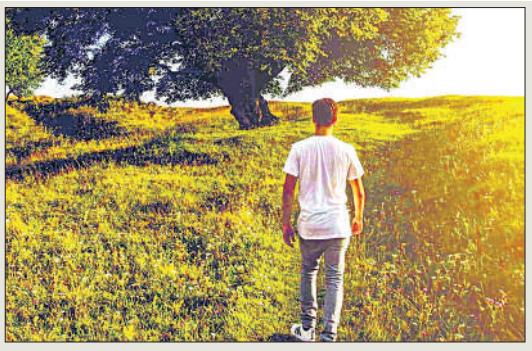

अर्जेंटीना के विख्यात फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी अक्सर बताते हैं कि मुझे रातोंरात सफलता हासिल करने में 17 साल और 114 दिन का समय लगा। तय है कि एक ही झटके में किसी को भी बुलंदी हरगिज हासिल नहीं होती।

अमिताभ

सयाने बताते हैं कि मंजिल पर पहुंचने से पहले घर की चौखट से पहला कदम तो बाहर निकालना ही होगा। बिल्कुल वैसे ही जैसे डॉक्टर, वैज्ञानिक, इंजीनियर, चार्टेड एकाउंटेंट या कारोबारी बनने से बहुत पहले हरेक को कच्ची और पहली कक्षा से लाजमी पास होकर ही जाना पड़ता है। बावजूद इसके लोग सोचते- सोचते ही कितना समय गवां देते हैं कि छोटी शुरुआत करने से भला क्या होगा? शुरुआत न करने की ऐसी बहानेबाजी मन में लाना व्यर्थ है। बड़ा शुरू करने की प्रतीक्षा करने के बजाय छोटी शुरुआत करना समझदारी है, ताकि बड़ा हासिल किया जा सके क्योंकि छोटी-सी शुरुआत भी बड़े परिणाम दिलाने का दमखम रखती है। इसलिए बेशक छोटी शुरुआत करें, पर करें जरूर। जब हम छोटे-छोटे कामों की कड़ियों को सिलसिलेवार पिरो कर देखते हैं तो जान जाते हैं कि मामूली और छोटे कदम ही बड़ी सफलता की राह खोलते हैं।

अर्जेंटीना के विख्यात फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी अक्सर बताते हैं, 'मुझे रातोंरात सफलता हासिल करने में 17 साल और 114 दिन का समय लगा।' तय है कि एक ही झटके में किसी को भी बुलंदी हरगिज हासिल नहीं होती। सद्गुरु जग्गी वासुदेव कहते हैं, 'कोई आप से परफेक्ट होने की उम्मीद नहीं कर रहा है, पर क्या आप बेहतर होने की लगातार कोशिश कर रहे हैं। बस यही मायने रखता है।' रोमन दार्शनिक टाइटस लुकीशस कारस तो दो टूक कहते हैं कि कुछ नहीं से तो कुछ भी नहीं रचा जा सकता। तय है कि अच्छा अंत करने से ज्यादा आसान है, अच्छी शुरुआत करना। जाहिर है कि एक नन्हे-से बीज में सुंदर बगीचा बनाने का दमखम होता है। एक बच्ची तट पर बैठी थी। समुद्र में लहरें उफान मार रही थीं। एक ऊंची लहर ने ढेरों मछलियां तट पर ला पटकी। तड़पती मछलियां देख बच्ची से रहा नहीं गया। वह एक-एक मछली उठाकर समुद्र में फेंकने लगी। तभी वहां से एक राहगीर गुजरा। वह बच्ची के करीब गया और बोला, 'बेटी, ऐसा करने से भला क्या फर्क पड़ेगा? पूरे तट पर तो हजारों मछलियां तड़प रही हैं। बच्ची एक और मछली उठा कर समुद्र में फेंकते हुए बोली, 'अंकल, इस एक को तो बड़ा फर्क पड़ेगा।'

यह भी उतना ही सच है कि अगर आप अपने काम से प्यार करते हैं, तो बेशक छोटी शुरुआत करें, आप निश्चित ही कामयाब होंगे। दूसरे शब्दों में कहें तो अपना छोटे से छोटा हर काम पूरे शौक से कीजिए। देखा गया है कि अपने शौक को ही पेशा बनाना सर्वश्रेष्ठ नतीजे देता है। इससे अपार सफलता, संतोष और खुशी मिलती है। अमेरिकी कारोबारी और लेखक हार्वे मैके तो इस हद तक कहते हैं, कुछ ऐसा कीजिए, जिसे आप प्यार से करना चाहते हैं। फिर आपको ताउम्र काम करने की जरूरत नहीं रहेगी। इसीलिए बड़ा या छोटा जो भी काम करें, सदा लगन और समर्पण से करें। जाने-माने उद्यमी बिल गेट्स यूं समझाते हैं, 'यदि क्षणिक सुख चाहते हैं तो गाने सुन लें, लेकिन अगर जिंदगी भर सुख चाहते हैं तो अपने काम में लग जाएं और उससे प्यार करें। और अगर काम पसंद का नहीं है तो किसी भी उम्र में बदलने में हर्ज नहीं है। जाहिर है कि किसी और की पसंद का काम करने का मतलब खुद के व्यक्तित्व को व्यर्थ जाने देना है। बार-बार समझाया जाता है कि कोई काम छोटा या बड़ा नहीं होता। बड़ा अवसर वही है, जहां आप अभी हैं। दिल से हर काम में इतना लीन हो जाना चाहिए कि खाना, पीना और आराम तक भूल जाएं। ऐसा करते-करते उन्नति के रास्ते खुलते जाते हैं और कामयाबी की रफ्तार बढ़ जाती है।

ओशो की राय है, 'हर इनसान को अपने स्वभाव और अभिरुचि के मुताबिक काम करना चाहिए और जीना चाहिए। जैसे आपकी प्रकृति है, उसे स्वीकार करें। हर इनसान के अपने गुण हैं, अपनी शक्ति है, अपनी ऊर्जा है। अत: अपने सामर्थ्य को पहचानिए। जब हम अनमने काम में जुटे हों और करते-करते ऊब जाएं, तब खुद को ऐसे काम में व्यस्त कर लें, जिसे दिल से करना चाहते हैं। फिर आप ऐसी खुशी से लबालब हो उठेंगे, जो कभी आपकी हो नहीं सकती थी। कहीं देर न हो जाए- कहते तो हैं, लेकिन जीवन की राह पर, न से कहीं भली है देर। हिंदी कहावत 'देर आए, दुरुस्त आए' के भी यही मायने हैं। स्वामी विवेकानंद यूं समझाते हैं, 'सफलता हासिल न हो तो फिक्र मत करो। नाकामियों से सबक़ लेकर संघर्ष करते रहो।' वे आगे कहते हैं, 'उठो, जागो और तब तक न रुको, जब तक मंज़िल हासिल न हो जाए।' हमेशा लंबी असफलता के बाद बड़ी सफलता मिलती ही है। अगर अपनी क़ाबिलियत पर यक़ीन है और जुटे रहने का धैर्य, तो आशा मुताबिक़ क़ामयाबी को कोई छीन नहीं सकता। नेपोलियन बोनापार्ट सफलता पाने के लिए आपने काम करने के तरीकों में बदलाव की हिदायत देते हैं। हर नाकामयाबी के बाद इनसान खुद- ब-खुद बेहतर विकल्पों की ओर मुड़ता है और देर-सवेर शिखर को छू लेता है।

इस वेडिंग सीजन में आई मेकअप अधिक ट्रेंड में है। आई मेकअप में सबसे अहम आईशैडो एप्लीकेशन माना जाता है जिसे अगर आप बेहतर तरीके से लगाएं तो ये आपके ओवर ऑल खूबसूरती को निखारने का काम करता है। कई बार आई शैडो सही तरीके से अप्लाई न किये जाने की वजह से आपके सारे मेकअप को खराब कर देता है। इसलिए यहां हम आपको आई शैडो इस्तेमाल करने का सही तरीका बता रहे हैं। तो आइए जानते हैं कि आई शैडो लगाने के लिए किन टिप्स और ट्रिक्स को अपनाना जरूरी होता है।

ओवर ऑल खूबसूरती को निखारने का काम करता है

आई मेकअप

अधिक ब्लेंड ना करें

आई शैडो एप्लीकेशन में सही तरीके से ब्लेंडिंग करना बेहद जरूरी है। लेकिन ब्लेंडिंग का मतलब ये नही है कि आप ओवर ब्लेंडिंग करें। ऐसा करने से आपका आई शैडो पैची नजर आएगा और एक समान नजर नहीं आएगा।

डाईमेंशन क्रिएट करें

आंखों को ड्रामेटिक लुक देने के लिए डाइमेंशन क्रिएट किया जा सकता है। इसके लिए आप डार्क और लाइट, शिमरी और मैट शेड्स को इस्तेमाल करके आसानी से आंखों में खूबसूरत 3डी इफेक्ट दें। डाइमेंशन क्रिएट करने के लिए ट्रांजिशन से शुरुआत करें। इसके लिए क्रीज पर मैट शेड लगाएं और फिर डार्कर मैट शेड को आउटर कॉर्नर पर लगाएं। जब यह अच्छी तरह से ब्लेंड हो जाए तो लाइटर व शिमरी शेड्स को लिड और अंदर के कोने पर लगाएं। आपकी आंखें बड़ी और अधिक चमकदार नजर आएंगे।

प्राइमर का करें प्रयोग

जब भी आई शैडो लगाना हो तो पहले अपनी लिड्स पर प्राइमर लगाएं। इससे न केवल आपके शैडो पिगमेंट की इंटेंसिटी बढ़ती है बल्कि शैडो पर क्रीज भी नहीं बनता। साथ ही यह लंबे समय तक टिका भी रहता है ।

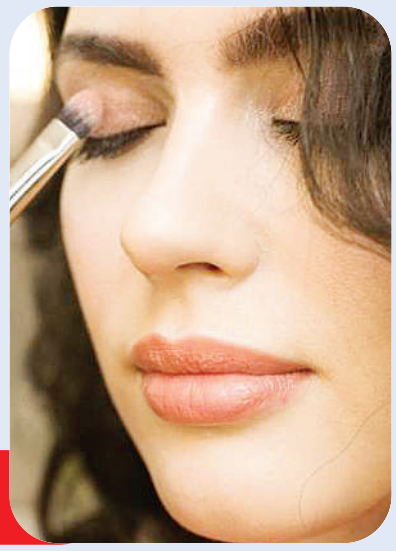

ब्रश को गीला करें

आपका ग्लिटर सही तरीके से अप्लाई करने के लिए अपने ब्रश को थोड़ा गीला कर लें और इसके बाद इससे आई शैडो लें। इससे कोई भी पैच नजर नहीं आएगा और आपकी ग्लिटरी आंखें ऑकवार्ड नर नहीं आएंगी

हंसना मना है

एक बेवकूफ पति अपनी पत्नी से कहता है कि कभी-कभी चुप भी रहा करो। मगर एक बुद्धिमान पति कहता है कि तुम्हारे लब जब खामोश रहते हैं तो चेहरा बेहद हसीन लगता है।

बाप : तुम्हारे Result का क्या रहा? बेटा : प्रिंसिपल का बेटा फेल हो गया। बाप : तुम। बेटा : मेजर साहब का बेटा भी फेल हो गया। बाप : और तुम। बेटा : डॉक्टर साहब का बेटा भी फेल हो गया। बाप गुस्से से : बेवकूफ, मैं तुमसे पूछ रहा हूं। तुम्हारे रिजल्ट का क्या हुआ? बेटा : तो आप कौन से प्रधान मंत्री हो जो आपका बेटा पास हो जाएगा... फिर क्या था, दे चप्पल, दे चप्पल, दे चप्पल।

चंपक की पत्नी गुस्सा होकर मायके चली जाती है। चंपक अपनी ससुराल में फोन करता है, उधर से सास की आवाज आती है, कितना बार कहा है तुमसे अब वो तुम्हारे घर नहीं आएगी। तो क्यों बार-बार फोन करते हो यहां । चंपक : कुछ नहीं बस सुनकर अच्छा लगता है... सास ठीक है फिर कल से मैं भी साथ में आ जाती हूं एक महीने के लिए। **चंपक लाल बेहोश..**

सिक्योरिटी गार्ड से नौकरी के लिए इंटरव्यू में पूछा गया कि अंग्रेजी आती है? गार्ड का शांतिपूर्ण जवाब : क्यों चोर इंग्लैंड से आएंगे क्या?

कहानी — सच्ची शिक्षा

प्रवीण नाम का एक छोटा लड़का था। उसे तरह-तरह की युद्ध-कलाएं सीखने का बहुत शौक था। उसने एक योद्धा का बहुत नाम सुना था। लोग कहते थे कि उनके जैसा तलवार चलाने वाला आज तक नहीं हुआ। प्रवीण के मन में इच्छा हुई कि उनके पास जाकर तलवार चलाने की शिक्षा ली जाए। वह उस शहर की ओर चल पड़ा, जहां वे रहते थे। प्रवीण ने योद्धा के पास जाकर विनती की कि वे उसे शिष्य बना लें। योद्धा ने उसकी प्रार्थना स्वीकार कर ली। उन्होंने प्रवीण से कहा कि तलवारबाजी सीखने के कुछ नियम हैं। उसे उन नियमों का पालन करना होगा। प्रवीण ने स्वीकार कर लिया। अगले दिन से योद्धा ने उसे समझा दिया कि उसे घर के क्या-क्या काम करने होंगे? प्रवीण सुबह से शाम तक सफाई, झाड़-पोंछ, कपड़े धोना, बर्तन साफ करना यही सब करता रहता था। ऐसा करते हुए काफी दिन बीत गए। लेकिन योद्धा ने तलवारबाजी सिखाने का नाम तक नहीं लिया। धीरे-धीरे प्रवीण का मन उखड़ने लगा। हर दिन वह इंतजार करता था कि शायद आज कुछ शुरुआत होगी, लेकिन जब ऐसा नहीं हुआ तो वह योद्धा के पास गया और बोला, श्रीमान मेरी शिक्षा कब आरंभ होगी? उसके गुरु ने कुछ नहीं कहा और चले गए। प्रवीण को बहुत अजीब लगा। अगले दिन जब वह कपड़े धो रहा था तो किसी ने आकर जोर से उसकी पीठ पर लकड़ी पीठ पर लकड़ी से वार किया। उसने मुड़कर देखा तो उसके गुरु लकड़ी पीठ पर लकड़ी से वार किया। उसने मुड़कर देखा तो उसके गुरु लकड़ी की एक तलवार लेकर जल्दी से दूसरी ओर जा रहे थे। उसे बड़ा आश्चर्य हुआ कि उन्होंने ऐसा क्यों किया? उसके बाद ऐसी घटनाएं अक्सर होने लगीं। प्रवीण अब किसी भी प्रहार के लिए तैयार रहने लगा। वह हरदम सतर्क रहने लगा। यहां तक कि सोते समय भी वह आसपास का ध्यान रखने लगा। धीरे-धीरे उसने अपना बचाव करना सीख लिया। एक दिन गुरुजी तन्मयता से कुछ लिखने में व्यस्त थे। प्रवीन के मन में एक अजीब खयाल आया। वह गुरु पर वार करने के लिए उनकी ओर दबे पांव आया। वह देखना चाहता था कि वे किस प्रकार से अपना बचाव करते हैं। उसने तलवार उठाई और जोर का एक प्रहार किया। लेकिन उसके गुरु हर पल इस तरह के प्रहार से बचने के लिए तैयार थे। उनके पास एक ढाल रखी थी। उन्होंने तुरंत वह ढाल उठाई और अपने आपको प्रहार से बचा लिया। प्रवीण आश्चर्य से देखता रह गया। उसने अपने बचाव की एक नई विधि सीख ली थी। उसने गुरु से कहा, श्रीमान मैं समझ गया हूं कि मेरी शिक्षा आरंभ हो चुकी है। योद्धा ने कहा, हाँ पुत्र, अच्छा तलवारबाज होने का मतलब यह नहीं है कि आप अपने प्रतिद्वंद्वी से अच्छी तलवार घुमाएं बल्कि सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है- आत्मरक्षा यानि कि किसी भी प्रहार से अपनी रक्षा करना। हमें सामने वाले के विचारों को पड़ना आना चाहिए। प्रवीण ने काफी दिनों तक मन लगाकर शिक्षा ग्रहण की और तलवारबाजी में प्रवीण होकर अपने देश की सेवा की।

7 अंतर खोजें

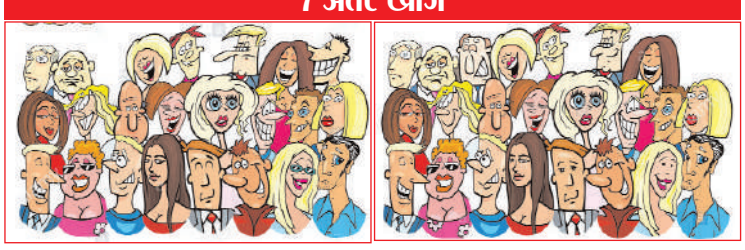

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। प्रसन्नता तथा मनोरंजन के साधन उपलब्ध होंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे।

वृषभ — कारोबार से लाभ होगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। आय बनी रहेगी। थकान व कमजोरी रह सकती है। अज्ञात भय रहेगा। अनहोनी की आशंका रहेगी। उकसाने में न आएं।

मिथुन — प्रसन्नतापूर्वक समय रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे। रोजगार में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। कुसंगति से बचें।

कर्क — व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रमाद न करें।

सिंह — वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। राजकीय सहयोग से कार्य पूर्ण होंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी।

कन्या — सुख-शांति बने रहेंगे। कारोबार मनोनुकूल चलेगा। मित्रों का सहयोग लाभ में वृद्धि करेगा। लंबित कार्य पूर्ण होंगे। निवेश शुभ रहेगा। अध्यात्म में रुचि रहेगी।

तुला — लाभ के अवसर टलेंगे। समय पर बाहर से धन नहीं मिलने से निराशा रहेगी। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। नौकरी में अधिकारी अधिक की अपेक्षा करेंगे। थकान रहेगी।

वृश्चिक — वृश्चिक प्रसन्नतापूर्वक समाचार प्राप्त होंगे। मान बढ़ेगा। किसी नए उपक्रम को प्रारंभ करने पर विचार होगा। लंबी यात्रा की इच्छा रहेगी। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा।

धनु — योजना फलीभूत होगी। कार्यपद्धति में सुधार होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। शेयर मार्केट में जल्दबाजी से बचें।

मकर — यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। नए काम मिल सकते हैं। कार्य से संतुष्टि रहेगी। नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। प्रमाद से बचें।

कुम्भ — व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। आय में निश्चितता रहेगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। फालतू खर्च होगा। शत्रुओं से सावधानी आवश्यक है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

मीन — यात्रा मनोनुकूल रहेगी। नए काम हाथ में आएंगे। कारोबारी वृद्धि से प्रसन्नता रहेगी। समय की अनुकूलता का लाभ लें। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

गुजरात की फेमस सिंगर हैं उर्वशी रादादिया स्टेज पर बिखरा पैसा ही पैसा

सिंगर उर्वशी रादादिया पर बाल्टी भरकर हुई नोटों की बारिश

पैसों की बारिश होते देखना हर किसी का सपना होता है। लेकिन क्या हो जब वो पैसों की बारिश आपके ऊपर हो। गुजरात के अहमदाबाद में ऐसा ही कुछ नजारा देखने को मिला। जहां फेमस गुजराती सिंगर उर्वशी रादादिया पर बाल्टी भरकर नोटों की बारिश हुई। एक इवेंट में उर्वशी रादादिया परफॉर्म कर रही थीं। तभी पीछे से एक शख्स आता है और उनपर बाल्टी भरकर नोटों की बारिश करने लगता है। मंच पर चारों तरफ बस और बस नोट ही बिखरे हुए हैं। गाना गा रहीं उर्वशी रादादिया के आगे पीछे पैसों का ढेर लगा हुआ है। ये अद्भुत नजारा वाकई में हर किसी को पैसों की बारिश करने पर मजबूर कर रहा है। ऑडियंस में मौजूद लोग भी सिंगर पर पैसों की बौछार कर रहे हैं। उर्वशी रादादिया पर नोटों की बारिश का ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। ये वीडियो देख लोग जलने को मजबूर हो रहे हैं। उर्वशी रादादिया ने इस वीडियो को इंस्टा पर शेयर करते हुए लिखा-श्री समस्त हीरावाड़ी ग्रुप द्वारा तुलसी विवाह का आयोजन किया गया है, जिसमें लोकदैरा का आयोजन किया गया। आपके अमूल्य प्यार के लिए आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद।

कौन हैं उर्वशी रादादिया?

उर्वशी रादादिया फेमस गुजराती फोक सिंगर हैं। उन्हें काठियावाड़ की cuckoo के नाम से भी जाना जाता है। वे अपने गाने नगर नंद जी ना लाल सॉन्ग के लिए फेमस हैं। उर्वशी अहमदाबाद में पली बढ़ी हैं। उन्होंने अपने म्यूजिक करियर की जर्नी 6 साल की उम्र में शुरू कर दी थी। तीन साल तक उर्वशी ने क्लासिकल म्यूजिक में ट्रेनिंग ली। उनका मानना है कि वो आज जो भी हैं सिर्फ अपने संगीत की बदौलत हैं। उर्वशी की गिनती टॉप गुजराती सिंगर्स में होती है। उर्वशी बचपन से IAS बनने का सपना देखती थीं। लेकिन परिवार की जिम्मेदारी संभालने की वजह से उनकी ये ख्वाहिश अधूरी रह गई। उर्वशी हिंदी, पंजाबी, मराठी, राजस्थानी में भी सिंगिंग करती हैं।

बैसाखी पर रिलीज होगी लाल सिंह चड्ढा

बॉलीवुड | मसाला

आमिर खान और करीना कपूर स्टारर फिल्म लाल सिंह चड्ढा की रिलीज डेट आखिरकार फाइनल हो गई है। लाल सिंह चड्ढा अगले साल बैसाखी पर यानी 14 अप्रैल 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज कर दी जाएगी। आमिर खान प्रोडक्शंस ने फिल्म के नए पोस्ट के साथ इसकी रिलीज डेट की अनाउंसमेंट की है । पोस्टर में आमिर खान और करीना कपूर के प्यार भरे लम्हे की एक झलक देखी जा सकती है। आमिर खान प्रोडक्शंस ने पिछले कुछ वर्षों में भारतीय दर्शकों को लगान, तारे जमीन पर, दंगल और कई अन्य शानदार फिल्में दी हैं। अब वायकॉम 18 स्टूडियोज की प्रस्तुति लाल सिंह चड्ढा के लिए बैसाखी पर दर्शकों को एक और बेहतरीन पेशकश देने के लिए तैयार है। हॉलीवुड मूवी फॉरेस्ट गंप की हिंदी रीमेक को अतुल कुलकर्णी ने भारतीय रूपांतरण दिया है। इसमें आमिर खान और करीना कपूर खान नजर आएंगी और इसे अद्वैत चंदन द्वारा निर्देशित किया गया है। प्रीतम का संगीत और लिरिक्स अमिताभ भट्टाचार्य द्वारा लिखित हैं। फिल्म वायकॉम 18 स्टूडियो द्वारा प्रस्तुत की गई है। आमिर खान और करीना कपूर ने पिछली बार थ्री इडियट्स में अपनी जोड़ी का कमाल दिखाया था। अब लाल सिंह चड्ढा में ये जोड़ी एक बार फिर लोगों का दिल जीतने आ रही है। फिल्म में मोना सिंह भी है जिन्होंने आमिर और करीना के साथ 3 इडियट्स में भी सक्रीन शेयर किया था। यह कहानी प्रोटागोनिस्ट्स की यात्रा के अलग-अलग टाइम पीरियड को दिखाती है।

बॉलीवुड | मन की बात

संजय कपूर की लाडली शनाया ने दिखाया ग्लैमरस अंदाज

संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर बेशक अभी फिल्मों से दूर हो, लेकिन इसके बावजूद आज उनका स्टारडम इंडस्ट्री की बड़ी से बड़ी एक्ट्रेस पर भारी पड़ता है। वह उन स्टारकिड्स की लिस्ट में शुमार हैं, जिन्होंने बॉलीवुड में डेब्यू के बिना भी स्टारडम हासिल कर लिया है। शनाया हमेशा ही किसी न किसी कारण सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं। अब वह अपने लेटेस्ट पोस्ट की वजह से फैंस के बीच चर्चा का विषय बन गई हैं। हाल ही में शनाया ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह हमेशा की तरह बेहद प्यारी दिख रही हैं। उन्होंने एक बार फिर से लोगों का दिल जीत लिया है। फोटोज में देखा जा सकता है कि शनाया ने ब्लैक ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वह बेहद गॉर्जियस दिख रही हैं। तस्वीरों को साझा करते हुए शनाया ने कैप्शन में लिखा, 'It's the little things that count'. उन्होंने एक साथ बहुत सारी तस्वीरें शेयर की हैं, जिस पर फैंस कमेंट कर शनाया पर प्यार लुटा रहे हैं। उनके इस पोस्ट को अब तक लाखों लोग लाइक कर चुके हैं। बता दें कि शनाया अपने चाहने वालों के साथ जुड़े रहने के लिए सोशल मीडिया साइट्स पर खूब एक्टिव रहती हैं। वह आए दिन अपनी बोल्ड तस्वीरें और वीडियोज शेयर कर इंटरनेट का तापमान बढ़ा देती हैं। इंस्टाग्राम पर शनाया की फैन फॉलोइंग किसी सेलिब्रेटी से कम नहीं है। उनके चाहने वालों की लिस्ट दिन प्रतिदिन लंबी होती जा रही है।

दुनिया का सबसे छोटा बॉडी बिल्डर जितना छोटा कद, उतना बड़ा कारनामा

कद का छोटा या बड़ा होना इंसान के हौसले पर भारी नहीं पड़ सकता। ये बात साबित की है भारतीय बॉडीबिल्डर प्रतीक विट्ठल ने। 26 साल के प्रतीक को शरीर से कुदरत ने भले ही परफेक्ट न बनाया हो, लेकिन उन्होंने अपनी कमी को अपनी ताकत बनाया और बन गए दुनिया के सबसे छोटे बॉडी बिल्डर।प्रतीक ने अपना नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराने के लिए पहले भी 3 बार प्रयास किया था, लेकिन वे नकार दिए गए थे। उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और चौथी बार पूरी तैयारी के साथ अपना नाम भेजा। अब उनका नाम स्वीकार भी किया गया है और उनके नाम वर्ल्ड रिकॉर्ड भी हो गया है। समाज में किसी की भी शारीरिक कमी का मज़ाक बनाया जाता है। प्रतीक विट्ठल के साथ भी ऐसा ही हुआ। छोटे कद के चलते लोगों ने उन्हें कमतर समझता लेकिन 3 फीट 4 इंच के प्रतीक ने अपनी कमी को मजबूती बनाया और दुनिया भर में मशहूर हो गए। उन्होंने अपना करियर बॉडी बिल्डिंग में बनाने के लिए सोचा और अपना सपना भी पूरा किया। प्रतीक बताते हैं कि उन्होंने अपने मामा को देखकर वर्कआउट करना शुरू किया था। उन्होंने मन में ठान लिया था कि वे कुछ करके दिखाएंगे। प्रतीक ने एक दोस्त के कहने पर प्रतीक ने वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए अपना नाम दिया था और अब वे विश्व रिकॉर्ड होल्डर हैं। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक साल 2016 ने उन्होंने बॉडी बिल्डिंग की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना शुरू किया। पहले वे इस बात से डरते थे कि स्टेज पर लोग उनका मजाक बनाएंगे। हालांकि उन्हें लोगों की ओर से जब प्यार मिला तो उन्होंने साल 2018 में महाराष्ट्र के लिए सिल्वर मेडल हासिल किया। वे नेशनल लेवल के लिए सेलेक्ट होते गए। वे बताते हैं कि पहले फौजी बनने का सपना उनके दिल में था, लेकिन 12 साल की उम्र में उन्हें अपनी दिव्यांग होने के बारे में पता चला। इसके बाद उन्होंने स्पोर्ट्स में अपना करियर बनाया।

अजब-गजब | यहां पर है सोने का द्वीप

इस नदी में मिलता है बेशकीमती खजाना

सोना की मांग दुनिया के हर देश में रहती है। सोना एक ऐसा धातु है जिससे लोग गहने बनवाते हैं और अपनी शानोशौकत भी जाहिर करते हैं। सोने का नाम सुनते ही लोगों की आंखों में चमक आ जाती है। क्योंकि सोने की एक छोटे से टुकड़े की कीमत ही हजारों रुपये होती है। जिसे वह किसी भी कीमत पर गंवाना नहीं चाहते लेकिन आज हम आपको एक ऐसे देश के बारे में बताने जा रहे हैं जहां सोने का द्वीप है और वहां नदी में सोना बहना है। ये बात सुनकर आप हैरान जरूर रह जाएंगे लेकिन ये बात बिल्कुल सच है।

दरअसल, हम बात कर रहे हैं इंडोनेशिया की। जहां अचानक से एक नदी में सोने का द्वीप उभर आया है। यहां से लोगों को नदी में सोने के जेवर, अंगूठियां, बौद्ध मूर्तियां और कीमती सिरेमिक बर्तन मिल रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस सोने के द्वीप की सालों से तलाश थी। कहा जा रहा है कि कई सालों पहले गायब हो चुका ये सोने का द्वीप इंडोनेशिया के पालेमबैंग प्रांत की मूसी नदी में मिला है। इस नदी की तलहटी से सोने के आभूषण और कई बेस कीमती वस्तुएं लोगों को मिली है। जानकारी के मुताबिक, बीते 5 साल से मछुआरे मूसी नदी में खजाने की तलाश में थे, लेकिन अब जाकर नदी की गहराई में कड़ी मेहनत के बाद एक मछुआरे को सोने का अनमोल खजाना मिल गया है। बता दें कि इस नदी की तलहटी से गोताखोर लगातार सोने के आभूषण, मंदिर की घंटियां, यंत्र, सिक्के, सिरेमिक बर्तन और बौद्ध मूर्तियां निकाल रहे हैं। बताया जा रहा है कि गोताखोरों को अब तक नदी से सोने की तलवार, सोने और माणिक से बनी अंगूठी, नक्काशीदार जार, वाइन परोसने वाला जग और मोर के आकार में बनी बांसूरी भी मिली है। इंडोनेशिया में इस द्वीप को लेकर कई लोक कथाएं भी प्रचलित हैं। इंडोनेशिया में प्रचलित लोक कथाओं के मुताबिक, यहां पर इंसानों को खाने वाले सांप रहते हैं। ज्वालामुखी फटता रहता है। सिर्फ यही नहीं, लोगों का मानना है कि हिंदी भाषा में बात करने वाले तोते भी यहां रहते हैं। इसके अलावा कहा जाता है कि सोने का द्वीप नाम से प्रसिद्ध ये जगह इंडोनेशिया के प्राचीन इतिहास में श्रीविजया शहर कहलाता था। उस जमाने में ये बेहद रईस शहर था। कहा जाता है कि यहां पर मलाका की खाड़ी पर राज करने वाले राजाओं का साम्राज्य था। भारतीय चोल साम्राज्य से हुए युद्ध में ये शहर बिखर गया और नष्ट हो गया। उसके बाद इस शहर का कोई पता नहीं चला। जिससे इस शहर में मौजूद सोने-चांदी और हीरे जवाहरात में दफन हो गए। इस बारे में इतिहासकारों का कहना है कि मूसी नदी के नीचे एक ऐसा साम्राज्य हो सकता है, जो सोने का हो। वहीं इस बारे में मरीन आर्कियोलॉजिस्ट सीन किंग्सले ने कहा कि आजतक श्रीविजया शहर को खोजने के लिए सरकार की तरफ किसी तरह का खनन कार्य नहीं किया गया है। अब तक जो भी आभूषण या कीमती वस्तुएं नदी से निकल रही हैं, उन्हें गोताखोरों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम करने वाले निजी लोगों को बेच दिया। इसका मतलब ये है कि वहां पर आज भी पुराना शहर हो सकता है। लेकिन जबतक उसे खोजा नहीं जाता सच्चाई पूरी तरह से सामने नहीं आएगी।

एमएसपी पर कानून अर्थव्यवस्था के लिए बनेगा संकट : अनिल घनवट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कृषि कानूनों पर सुझाव देने के लिए सुप्रीम कोर्ट की ओर से गठित तीन सदस्यीय कमेटी के सदस्य अनिल घनवट ने कहा कि देश में अगर फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को लेकर कानून बनाया जाता है तो अर्थव्यवस्था को संकट का सामना करना पड़ेगा। शेतकारी संगठन के अध्यक्ष घनवट का यह बयान ऐसे समय में आया है जबकि कृषि कानूनों को वापस लेने के केंद्र सरकार की घोषणा के बाद प्रदर्शनकारियों की तरफ से एमएसपी पर कानून बनाने की मांग तेज हो गई है।

घनवट ने कहा अगर एमएसपी पर कानून बनता है तो हम संकट का सामना करेंगे। कानून बनने के बाद अगर किसी दिन खरीद प्रक्रिया नीचे जाती है तो कोई भी उत्पाद नहीं खरीद पाएगा क्योंकि एमएसपी से कम कीमत पर इसे खरीदना अवैध होगा और व्यापारियों को इसके लिए जेल में डाल दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार और किसान नेताओं दोनों को ही कृषि से आय को बढ़ाने के लिए कुछ अन्य उपायों पर विचार करना चाहिए। एमएसपी पर कानून इसका कोई समाधान नहीं है। घनवट ने आगे कहा कि यह एक संकट होने जा रहा है क्योंकि न सिर्फ व्यापारियों को बल्कि स्टाकिस्टों और इससे जुड़े हर किसी को नुकसान होगा। यहां तक कि कमोडिटी बाजार भी अस्त व्यस्त हो जाएगा। यह विकृत हो जाएगा। इस मामले में शेतकारी संगठन के अध्यक्ष ने कहा, अगर पेश किए गए नए कानून पूरी तरह से सही नहीं थे, उनमें कुछ खामियां थीं तो उन्हें ठीक करने की आवश्यकता थी। मैं समझता हूं कि इस सरकार में कृषि क्षेत्र में सुधार करने की इच्छाशक्ति थी जो पहले की सरकारों में नहीं थी। मुझे उम्मीद है कि सभी राज्यों के विपक्षी और किसान नेताओं को मिलाकर एक नई कमेटी बनाई जाएगी।

» आय बढ़ाने के दूसरे विकल्पों पर हो विचार

समस्या है खुली खरीद

घनवट ने कहा हम एमएसपी के खिलाफ नहीं, लेकिन खुली खरीद एक समस्या है। हमें बफर स्टाक के लिए 41 लाख टन अनाज की जरूरत है लेकिन खरीद 110 लाख टन की होती है। अगर एमएसपी कानून बन जाता है तो सभी किसान अपनी फसल के लिए एमएसपी की मांग करेंगे और कोई भी उसमें से कुछ कमाने की स्थिति में नहीं होगा।

कृषि कानूनों को रद करना दुर्भाग्यपूर्ण

घनवट ने तीनों कृषि कानूनों को रद करने के कदम को भी दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। उन्होंने कहा कि किसान पिछले 40 वर्षों से सुधार की मांग कर रहे थे। कानूनों को रद करना अच्छा कदम नहीं है। देश में कृषि की मौजूदा व्यवस्था पर्याप्त नहीं है।

चुनाव बाद होंगी बोर्ड परीक्षाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाई स्कूल और इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा 2022 का का आयोजन विधानसभा चुनाव के बाद कराया जाएगा। वहीं हाई स्कूल और इंटरमीडिएट की प्री-बोर्ड परीक्षा जनवरी के पहले सप्ताह में आयोजित की जाएगी।

यूपी बोर्ड की हाई स्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा-2022 के लिए करीब 55 लाख से अधिक नियमित और व्यक्तिगत परीक्षार्थियों ने पंजीकरण कराया है। प्रदेश में 2018 से बोर्ड परीक्षाएं फरवरी में आयोजित कराई जा रही है। लेकिन 2022 में फरवरी-मार्च में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित होने के कारण विद्यालयों में मतदान केंद्र बनाए जाने, शिक्षकों के बीएलओ नियुक्त होने के साथ प्रशासनिक और पुलिस तंत्र भी चुनाव में व्यस्त रहेगा। ऐसे में चुनाव अवधि के दौरान बोर्ड परीक्षाएं आयोजित करना संभव नहीं है। शासन मे बोर्ड परीक्षा चुनाव के बाद ही कराने पर सैद्धांतिक सहमति बनी है। जबकि प्री-बोर्ड परीक्षाएं जनवरी के पहले सप्ताह में आयोजित कराई जाएगी।

उमाशंकर अध्यक्ष, मितुल सोनकर बने महासचिव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ से सम्बद्ध चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ राजकीय मुद्रणालय ऐशबाग लखनऊ द्वारा एक बैठक का आयोजन किया गया। राजकीय मुद्रणालय ऐशबाग, लखनऊ के वेलफेयर सेन्टर में दोपहर के समय आयोजित आमसभा की बैठक में सर्वसम्मति से चुनाव हुए।

इस चुनाव में कर्मचारी सदस्यों को अगामी दो वर्ष तक सर्वसहमति/सर्वसम्मति से संघ का पदाधिकारी निर्वाचित घोषित किया गया। नयी कार्यकारिणी में उमाशंकर मिश्रा अध्यक्ष, पवन कुमार त्रिपाठी उपाध्यक्ष (प्रथम), मिथिलेश कुमारी उपाध्यक्ष (द्वितीय)। मितुल सोनकर महासचिव,

» चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ के चुनाव हुए संपन्न

नवीन चंद्र संयुक्त सचिव (प्रथम), फिरोज अली संयुक्त सचिव (द्वितीय), देवकी नन्दन सचिव, पूजा देवी संगठन मंत्री, मो. फहीम कोषाध्यक्ष शामिल किए गए।

साथ ही उत्तर प्रदेश चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष रामराज दुबे एवं महामंत्री सुरेश सिंह यादव चुनाव प्रेक्षक के रूप में उपस्थित रहे एवं निर्वाचन अधिकारी श्री ऋषिराम भट्ट की निगरानी में पूरा चुनाव संपन्न हुआ। संघ के अध्यक्ष उमाशंकर मिश्रा ने सभी नवनिवार्चित सदस्यों को बधाई दी है।

राष्ट्रीय कवि सौरभ अखिल भारतीय कायस्थ महासभा में लखनऊ के उपाध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा उत्तरप्रदेश की एक बैठक बीते दिनों हुई। इस बैठक में लखनऊ जनपद के उपाध्यक्ष का दायित्व भाजपा नेता व राष्ट्रीय कवि सौरभ श्रीवास्तव को सर्वसम्मति से दिया गया। सौरभ श्रीवास्तव भाजपा के चर्चित नेता स्वर्गीय पूर्व विधायक सुरेश चंद्र श्रीवास्तव के पुत्र है।

अपनी कविताओं से पाकिस्तान पर करारा प्रहार करने वाले लखनऊ निवासी कवि सौरभ श्रीवास्तव ने इस मौके पर कायस्थ महासभा का आभार जताते हुए महासभा के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद भारतीय जनता पार्टी आर के. सिन्हा, राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय, प्रदेश अध्यक्ष डॉ. इन्द्रसेन श्रीवास्तव, प्रदेश महामंत्री श्याम चंद्र श्रीवास्तव एवं जिला अध्यक्ष पवन भास्कर को विश्वास दिलाया है कि मैं इस दायित्व के सम्पूर्ण निर्वहन हेतु सदैव प्रयासरत रहूंगा।

छुट्टा घूमते मिले गोवंश तो जिलाधिकारी होंगे जिम्मेदार

» गो-संरक्षण केंद्रों की व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त बनाए जिलाधिकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी सरकार ने सभी जिलों के जिलाधिकारियों को छुट्टा गोवंश को लेकर सख्त निर्देश दिया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि सभी जिलाधिकारी देखें कि कहीं भी गोवंश छुट्टा न घूमें। इन्हें गो-आश्रय स्थल में लाकर इनकी समुचित देखभाल की जाए। पशुपालन विभाग छुट्टा जानवरों को गो-संरक्षण केन्द्रों में पहुंचाए। इसके लिए टीम गठित कर प्रभावी कार्यवाही की जाए।

सीएम योगी ने सभी जिलों के डीएम को निर्देश दिया कि वो गो-संरक्षण केन्द्रों में पशुओं के चारे, पानी, सुरक्षा, साफ-सफाई आदि की पूरी व्यवस्था की करे। गो संरक्षण केंद्रों की व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त बनाए रखें। सीएम योगी ने कहा है कि पशुओं को ठण्ड से बचाने तथा स्वास्थ्य की देखभाल के पुख्ता इंतजाम किए जाएं। संरक्षण केंद्रों में केयरटेकर तैनात रहें, जो इन पशुओं की देख-रेख करें। निराश्रित गोवंश के संरक्षण के लिए सरकार ने सभी जिलों में पर्याप्त संख्या में गो आश्रय स्थलों की व्यवस्था की है।

बेसहारा गोवंश को पालने वाले को प्रतिमाह मिलेगा रुपए 900

प्रदेश सरकार द्वारा मुख्यमंत्री निराश्रित/बेसहारा गोवंश सहभागिता योजना को लागू किया गया है। इसके तहत इच्छुक किसान या पशुपालक निराश्रित गोवंश का पालन-पोषण करने के लिए अपने पास रख सकता है। कुपोषित बच्चों के लिए दूध की उपलब्धता के लिए परिवार को उनकी इच्छा पर एक निराश्रित गोवंश देने की व्यवस्था की गई है। लाभार्थी को 900 रुपए प्रतिमाह प्रति गोवंश दिए जा रहे हैं। पोषण मिशन के तहत 1883 कुपोषित परिवारों को कुल 1894 गोवंश और मुख्यमंत्री सहभागिता योजना से 56853 पशुपालकों को 103714 गोवंश दिए गए हैं।

बच्चों से ओरल सेक्स करना गंभीर अपराध नहीं : इलाहाबाद हाईकोर्ट

» कोर्ट ने निचली अदालत से मिली सजा घटाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ओरल सेक्स को 'गंभीर यौन हमला' नहीं माना है। कोर्ट ने नाबालिग के साथ ओरल सेक्स के एक मामले की सुनवाई करते हुए यह निर्णय दिया। हाईकोर्ट ने बच्चे के साथ ओरल सेक्स के एक मामले में निचली अदालत से मिली सजा को घटा दिया है।

अदालत ने इस प्रकार के अपराध को पॉक्सो एक्ट की धारा 4 के तहत दंडनीय माना। परंतु कहा कि यह कृत्य एग्रेटेड पेनेट्रेटिव सेक्सुअल असॉल्ट या गंभीर यौन हमला नहीं है। लिहाजा ऐसे मामले में पॉक्सो एक्ट की धारा 6 और 10 के तहत सजा नहीं सुनाई जा सकती। हाईकोर्ट ने इस मामले में दोषी की सजा 10 साल से घटाकर 7 साल कर दी, साथ ही उस पर 5 हजार का जुर्माना भी लगाया। सोनू कुशवाहा ने सेशन कोर्ट के फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। अपील पर न्यायमूर्ति अनिल कुमार ओझा ने यह फैसला सुनाया। सेशन कोर्ट ने उसे भारतीय दंड संहिता की धारा 377 (अप्राकृतिक यौन अपराध) और धारा 506 (आपराधिक धमकी के लिए सजा) और पॉक्सो एक्ट की धारा 6 के तहत दोषी ठहराया था। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि एक बच्चे के मुंह में लिंग डालना 'पेनेट्रेटिव यौन हमले' की श्रेणी में आता है, जो यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) अधिनियम की धारा 4 के तहत दंडनीय है, परंतु अधिनियम की धारा 6 के तहत नहीं। इसलिए न्यायालय ने निचली अदालत द्वारा अपीलकर्ता सोनू कुशवाहा को दी गई सजा को 10 साल से घटाकर 7 साल कर दिया।

यह था मामला

अपीलकर्ता पर आरोप था कि वह शिकायतकर्ता के घर आया और उसके 10 साल के बेटे को साथ ले गया। उसे 20 रुपए देते हुए उसके साथ ओरल सेक्स किया। सोनू कुशवाहा ने अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश/ विशेष न्यायाधीश, पॉक्सो अधिनियम, झांसी द्वारा पारित उस निर्णय के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट में आपराधिक अपील दायर की थी, जिसमें कुशवाहा को दोषी ठहराया गया था।

मनीष के दोस्तों से पूछताछ करेगी सीबीआई, सभी लखनऊ तलब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सीबीआई गोरखपुर में पुलिस की पिटाई से जान गंवाने वाले कानपुर के व्यापारी मनीष गुप्ता के दोनों दोस्तों से पूछताछ कर उनके बयान दर्ज करने की तैयारी कर रही है। घटना के समय होटल में मनीष के साथ मौजूद उसके दोनों दोस्तों हरबीर सिंह व प्रदीप सिंह निवासी गुरुग्राम को सीबीआई ने लखनऊ के अपने जोनल कार्यालय में तलब किया है।

सीबीआई ने गोरखपुर निवासी मनीष के दोस्त चंदन सैनी सहित अन्य परिचितों को भी अपने बयान दर्ज कराने के लिए नोटिस भेजा है। गौरतलब है कि मनीष की पत्नी मीनाक्षी गुप्ता ने इस मामले में गोरखपुर के रामगढ़ताल थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। राज्य सरकार की सिफारिश पर सीबीआई ने इस मामले में बीती दो नवंबर को केस दर्ज किया था। मीनाक्षी ने रामगढ़ताल के

» हरबीर सिंह व प्रदीप सिंह जोनल कार्यालय में तलब

तत्कालीन एसओ जगत नारायण सिंह, उप निरीक्षक अक्षय मिश्रा व विजय यादव और तीन अज्ञात पुलिसकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। इस मामले में आरोपित सभी पुलिसकर्मी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। बाद में राज्य सरकार ने एसआइटी गठित कर इस मामले की जांच कराई थी। घटना के समय मनीष के साथ मौजूद उसके दोनों दोस्तों ने एसआईटी जांच से दूरी बनाए रखी। अब सीबीआई मामले की पड़ताल में मनीष के मित्रों व परिचितों और सभी पुलिस कार्मिकों और होटल के कर्मचारियों से पूछताछ करने जा रही है।

चाचा से भावुक राजनीतिक आदमी नहीं देखा : अखिलेश यादव

सपा के वरिष्ठ नेता राम गोपाल यादव की किताब राजनीति के उस पार का विमोचन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी के गोमतीनगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में समाजवादी पार्टी से राज्यसभा सांसद रामगोपाल यादव पर लिखी गई पुस्तक राजनीतिक के उस पार का विमोचन आज दोपहर हुआ। पुस्तक का विमोचन सपा सरंक्षक मुलायम सिंह यादव, पार्टी के अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, कवि कुमार विश्वास सहित नामचीन हस्तियों ने एक साथ मंच साझा कर किया।

इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम में मुलायम सिंह यादव ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हम एक हैं और एक ही रहेंगे। उन्होंने कहा संकल्प लेकर आगे बढ़े। साथ ही महंगाई, बेरोजगारी व भ्रष्टाचार पर तीखे वार कर बिना नाम लिए भाजपा पर भी निशाना साधा। कवि कुमार विश्वास ने चुटकी लेते हुए कहा कि अगर इस भीड़ में भाजपा के लोग बैठे होते तो कितना अच्छा होता। उन्होंने सपा संरक्षक को लेकर कहा कि राजनीति के माहिर खिलाड़ी है मुलायम सिंह यादव। इसलिए

फोटो: सुमित कुमार

कार्यकर्ताओं थकान आपके लिए अपेक्षित नहीं है। नए उदय के लिए समाजवाद के नए लोग सबकी बात सुने। संघर्ष के पथ पर है पथ पर चले तो मंजिल जल्दी मिल सकती है। कार्यक्रम में अखिलेश यादव ने राम गोपाल की तारीफ की और कहा यह किताब नौजवानों और आगे की पीढ़ी को प्रेरित करने का काम करेगी। कितने भी कड़क दिखें या नाराजगी हो लेकिन राजनीति में चाचा से अधिक भावुक आदमी नहीं देखा। पार्टी से नहीं, हमारी विचार की लड़ाई है। हमें लड़ाई लड़नी है। रामगोपाल यादव ने कहा, नेताजी का आशीर्वाद हमेशा बना रहे, ऐसी मैं कामना करता हूं क्योंकि उन्हीं की बदौलत मैं खड़ा हुआ हूं। कार्यक्रम में आप नेता व सांसद संजय सिंह सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

देश पर चुनौती आई तब खड़ी रही समाजवादी पार्टी

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने चाचा रामगोपाल यादव की तारीफ में कसीदे पढ़ते करते हुए उन्हें मौजूदा दौर का सबसे भावुक राजनीतिज्ञ करार दिया। अखिलेश ने पिता मुलायम की मौजूदगी में रामगोपाल यादव की तारीफ की, लेकिन शिवपाल यादव को नजरअंदाज कर गए। रामगोपाल के जीवन पर लिखी किताब के विमोचन कार्यक्रम में अखिलेश ने पिता मुलायम की तारीफ करते हुए कहा, नेताजी का बहुत धन्यवाद। उनकी वजह से ही यह सब संभव हुआ है। वहीं कार्यक्रम में बोलते हुए मुलायम ने कहा, देश पर चुनौती आई तब समाजवादी पार्टी खड़ी रही। अभी महंगाई और भ्रष्टाचार का मुद्दा हो या फिर जब युद्ध का समय था, तब भी पूरा देश साथ में खड़ा था। देश के लिए सबको मिलकर खड़ा होना है। एक साथ आना है। यही मेरी कामना है।

नड्डा ने कानपुर में रखी 2022 के जीत की नींव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कानपुर के किदवई नगर के नामदेव गुरुद्वारे के कार्यक्रम में शामिल होने के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह कानपुर के दक्षिण क्षेत्र के साकेत नगर में नवनिर्मित पार्टी कार्यालय में पहुंच गए हैं। यहां पूजन के बाद पार्टी कार्यालय समेत प्रदेश के नौ जिलों के कार्यालय का ऑनलाइन उद्घाटन किया है। मंच पर सभी वरिष्ठ नेता, मंत्री और जनप्रतिनिधि मौजदू हैं।

सम्मेलन में 22,143 बूथ अध्यक्ष आए हैं। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि हम सब लोग रोजाना की भागदौड़ में विषयों की विशेषता समझने से चूक जाते हैं, घटनाएं घट जाती हैं लेकिन ध्यान नहीं देते हैं कि उसमें कितना पसीना बहा है। आप उनसे पूछिये दस से बीस साल पहले किराये के कमरे से पार्टी की विचारधारा को आगे बढ़ा रहे थे।

इस कार्यालय के वे ही नींव के पत्थर है, उनके योगदान और सहयोग से आप इस स्थिति में हैं। अगर उजाले का सुख लेना हो तो अंधेरे को याद करो, पथ का पथिक रुकना नहीं चलते रहना है... । इससे पहले जेपी नड्डा तय समय पर अमौसी एयरपोर्ट पर विमान से उतरने के बाद सीधे किदवई नगर सब्जी मंडी स्थित बाबा नामदेव गुरुद्वारा पहुंच गए हैं। यहां संगत में उनके साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह भी शामिल हुए। यहां पर गुरुद्वारा प्रमुख ने सभी का स्वागत किया और गुरुवाणी से निहाल किया। यहां पर शबद कीर्तन सुनने के बाद भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने विचार प्रकट किए। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि गुरु के चरणों में आशीर्वाद लेने आए हैं। गुरुनाम देव के चरणों में शीष झुकाकर गौरव के साथ कहता हूं कि जो काम सिख भाइयों के लिए प्रधानमंत्री मोदी जी ने किया है,

25 को जेवर एयरपोर्ट की आधारशिला रखेंगे मोदी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश भारत में पांच अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों वाला एकमात्र राज्य बनने की ओर अग्रसर है। इस बार दिल्ली-एनसीआर के लोगों के लिए अच्छी खबर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 नवंबर 2021 को उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर, जेवर में नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एनआईए) की आधारशिला रखेंगे। इस दौरान वह दोपहर एक बजे जनसभा को भी संबोधित करेंगे। कृषि कानूनों को वापस लिए जाने के ऐलान के बाद पीएम मोदी का पश्चिमी उत्तर प्रदेश में यह पहला सार्वजनिक कार्यक्रम होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज जेवर एयरपोर्ट का जायजा लेने के लिए जाएंगे। प्रधानमंत्री न मोदी जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का भूमिपूजन और शिलान्यास करेंगे। इसे एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट माना जा रहा है। एयरपोर्ट को सार्वजनिक-निजी भागीदारी के तहत विकसित किया जा रहा है।

वो किसी ने नहीं किया है। इसमें चाहे हिंदू मैरिज एक्ट के तहत परिवर्तन करे सिख भाइयों को सुविधा दी। लंगर से जीएसटी उठाने, ब्लैक लिस्ट से नामों की संख्या को हटाने का काम हो, गुरुनानक देव यूनिवर्सिटी में गुरुनानक देव जी पर स्टडी और गुरुग्रंथ साहिब को विभिन्न भाषाओं में अनुवाद करके लोगों तक पहुंचाने का काम किया है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास।

फोटो: 4पीएम

आरक्षण की मांग को लेकर प्रदर्शन

लखनऊ। प्रदेश में 69 हजार पदों पर हुई शिक्षक भर्ती विवादों में हैं। ओबीसी और एससी वर्ग के अभ्यर्थियों ने आज लखनऊ में विधानसभा का घेराव किया तो पुलिस अभ्यर्थियों को जबरन गाड़ियों में भरकर इको गार्डन ले गई है। बता दें कि अनारक्षित की कट ऑफ 67.11 के नीचे 27 फीसदी आरक्षण की मांग को लेकर अभ्यर्थियों ने प्रदर्शन किया है।

महिला अफसरों की गोपनीय रिपोर्ट पर गौर करे सेना : सुप्रीम कोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सेना से कहा कि वह शार्ट सर्विस कमीशन वाली महिला अधिकारियों के मामले पर दोबारा विचार करे। इन महिला अधिकारियों को यूएसी आधारित मूल्यांकन प्रणाली के आधार पर आकलन किए जाने के बाद भी 60 प्रतिशत अंक प्राप्त करने में विफल रहने पर सेना में स्थायी कमीशन देने से इन्कार कर दिया है।

जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस एएस बोपन्ना की पीठ ने केंद्र और सेना की तरफ से पेश अतिरिक्त सालिसिटर जनरल संजय जैन और वरिष्ठ वकील आर बालासुब्रमण्यम से कहा कि वे महिला अधिकारियों की सेवा के पांचवें और 10वें वर्ष के बाद की नवीनतम वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट (एसीआर) पर भी गौर करें।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।